E
Batch 2021-22

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

परीक्षा : जून – २०२२

सत्र – २

विषय : विशेष साहित्यकार – प्रेमचंद (भाग – २) (HC - 202)

दि.: ०७/०६/२०२२ **कुल अंक : १००** **समय : प्रातः १०.०० से दो १.३०**

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

प्र. १ प्रेमचंद जी के साहित्य सृजन के संदर्भ में अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

प्र. २ सुमन एक गतिशील पात्र है – सिद्ध कीजिए ।

प्र. ३ निर्मला का चरित्र अपने शब्दों में लिखिए ।

प्र. ४ प्रेमचंद जी ने अपने उपन्यासों में पूँजीवाद का विरोध किया है स्पष्ट किजिए ।

प्र. ५ 'सेवासदन' उपन्यास उपेक्षित नारी जीवन पर आधारित है कथन को स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ६ 'रंगभूमि' उपन्यास के किन्हीं दो वर्णित गौण पात्रों का चरित्र चित्रण कीजिए ।

प्र. ७ प्रेमचंद के उपन्यासों में यथार्थवाद और आदर्शवाद को स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ८ 'सेवासदन' के गजाधर तथा रंगभूमि के सूरदास इन पात्रों की समीक्षा कीजिए ।

प्र. ९ **निम्नलिखित अवतरणों में किन्हीं दो को स–संदर्भ लिखिए ।**

१) अगर जीती–जागती रहे तो किसी अच्छे कुल में विवाह कर दीजिएगा ।

२) मेरे सिर पर पाप क्यों लगाते हो ? क्या तुम्हीं मेरे अन्नदाता हो ?

३) लेकिन जहाँ यह रौनक बढ़ेगी तो वहाँ ताड़ी–शराब का भी तो परचार बढ़ जाएगा ।

४) लोकमत के अनुसार मैं जीता और तुम हारे, पर मैं जीतकर भी दुखी हूँ, तुम हारकर भी सुखी हो ।

प्र.१० **निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।**

१) 'सेवासदन' के शांता और गजाधर

२) 'निर्मला' का मन्साराम

३) 'रंगभूमि' का सूरदास

४) प्रेमचंद युग